के के बिरला की स्मृति में बिट्स को मिला नया नाम

गोवा में गुरुवार को एक समारोह में कांग्रेस महासचिव राहुल गांधी ने के . के . बिरला के भित्ति चित्र का अनावरण करते हुए बीआईटीएस पिलानी संस्थान का नामकरण बिट्स पिलानी के.के. बिरला गोवा कैंपस किया। इस दौरान राहुल गांधी ने छात्रों से भी संवाद किया। ऑडिटोरियम में (बाएं से दाएं) कुलपति कुमार मंगलम बिरला, बी . के . बिरला के साथ राहुल गांधी और शोभना भरतिया • हिन्दुस्तान

जुआरीनगरी (गोवा) |हिं.टी.

बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस (बिट्स) पिलानी इंस्टीट्यूट, गोवा का नाम अब बिट्स, पिलानी-के. के. बिरला गोवा कैंपस किया गया है। इंस्टीट्यूट का नया नाम इसके पहले चांसलर और विख्यात उद्योगपति डॉक्टर के. के. बिरला की स्मृति में रखा गया है। कांग्रेस पार्टी के महासचिव और सांसद राहुल गांधी ने गुरुवार को इंस्टीट्यूट के नए नाम की औपचारिक रूप से घोषणा की।

गांधी ने गुरुवार को इंस्टीट्यूट में एक भित्तिचित्र का अनावरण किया। इस अवसर पर उनके साथ इंस्टीट्यूट के चांसलर और प्रो चांसलर, आदित्य बिरला ग्रुप के चेयरमैन कुमार मंगलम बिरला और एचटी मीडिया लिमिटेड की अध्यक्ष और संपादकीय निर्देशक शोभना भरतिया मौजूद थीं। भरतिया दिवंगत डॉ. के. के. बिरला की पुत्री हैं।

यह आयोजन 180 एकड़ में फैले इंस्टीट्यूट की केंद्रीय इमारत में विभागीय शिक्षकों, विद्यार्थियों और प्रतिष्ठित बिरला

कीर्ति–स्मृति

- कांग्रेस महासचिव राहुल गांधी ने की नए नाम की औपचारिक घोषणा
- विख्यात उद्योगपति डॉ. के के बिरला थे इस इंस्टीट्यूट के पहले चांसलर

परिवार के अन्य कई सदस्यों की मौजूदगी में हुआ, जिनमें बी. के. बिरला के अलावा दिवंगत डॉ. के. के. बिरला की अन्य दो पुत्रियां, नंदिनी नोपानी और ज्योति पोद्दार शामिल थीं। यहां स्थापित सोने और कांसे से निर्मित भित्तिचित्र में डॉ. के के बिरला की तस्वीर उकेरी गई है।

साथ ही उस पर बिट्स के लिए उनके दृष्टिकोण को उद्धृत किया गया है। इस पर लिखा गया है, 'हमारा प्राथमिक उद्देश्य ऐसे युवा पुरुषों और महिलाओं को तैयार करने का रहा है, जो देश के औद्योगिक और आर्थिक विकास को आगे बढ़ाने के लिए बतौर नेतृत्वकर्ता काम कर सकें और मानवता की सेवा में रचनात्मक भूमिका निभा सकें।'